

25/06/25

अधिवक्ता उमरपट्ट 34.) प्रकरण में जैर अमील
आदेश का अवलोकन करने से यह स्पष्ट है कि
अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उनके समक्ष पूर्व में
विचाराधीन मूल वाद को आदेश 09 नियम 5 CPC
के तहत अरम लकमील में खारिज किया गया है एवं
अपीलेंट द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध उक्त अमील
हाजि न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई है, जबकि
कानूनन ऐसे आदेश के विरुद्ध माननीय राज्यस्तर
मंडल के समक्ष निगरानी प्रस्तुत किये जाने का
आवधान है। ऐसी स्थिति में उक्त अमील कानूनन
हाजि न्यायालय के समक्ष चलने योग्य नहीं है। अतः
उक्त अमील घोषणीय नहीं होने से खारिज की जाती है।
पत्रावली फैसल शुमाह लेटर बाद अबरमव कार्यवाही दायित्व इस्ता है।

अमील प्राधिकारी
पाली